लोक सम्पर्क विभाग, चण्डीगढ़ प्रशासन

www.chandigarh.gov.in

प्रेस विज्ञप्ति

चण्डीगढ़, 22 जुलाई – नमी का स्तर बढ़ने की वजह से चण्डीगढ़ में त्वचा से संबंधित रोगों की संख्या भी बढ़ रही है। मिलिरिया रूबर, फंगल इंफेक्शन, स्केबीज और पैडीक्यूलोसिस, इम्पिटीगो, फ्यूरनक्लोसिस और चिकन पोक्स जैसी बीमारियों से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़ने के कारण अस्पतालों में स्किन ओपीडी में रोगियों की कतारें दिनो-दिन लम्बी होती जा रही हैं।

जीएमएसएच के त्वचा विशेषज्ञ डॉ. एस.डी. मेहता ने बताया कि विभिन्न त्वचा संबंधी रोगों से पीड़ित लगभग 200 से 250 व्यक्ति हर रोज गवर्नमेंट मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल (जीएमएसएच) सेक्टर 16 के चक्कर लगा रहें हैं। मैं रोज लगभग 30 से 40 मिलिरिया रूबर से पीड़ित, 50-60 स्केबीज से पीड़ित, 50-60 फंगल इंफेक्शन से पीड़ित, 40 से 50 इम्पिटीगो व फ्यूरनक्लोसिस से पीड़ित रोगियों की जांच कर रहा हूँ।

त्वचा की बीमारियां फैलाने वाले बैक्टीरिया की तीव्र प्रगति का मुख्य कारण नमी है। फ्यूरनक्लोसिस (बॉयल) ऐसी त्वचा संबंधी बीमारी है जिसकी वजह से त्वचा पर कष्टदायक फोड़े हो जाते हैं और उनमें पस भी भर जाती है। फंगल इंफेक्शन (दाद) फंगी द्वारा होने वाली बीमारियों का समूह है और यह मुख्यतः शरीर के उन भागों में होता है जहां पसीना ज्यादा आता है।

डॉ. मेहता ने बताया कि इम्पिटीगो बच्चों और नवजात शिशुओं में गर्म और नमी युक्ति मौसम में बढ़ने वाले बैक्टीरिया के कारण पैदा हुआ एक सामान्य त्वचा रोग है। सफाई न रखने से भी यह बीमारी अधिक फैलती है।

स्केबीज बीमारी एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलती है। इससे व्यक्ति को काफी देर तक लगातार तेज खुजली होती है। डॉ. मेहता ने आगे बताया कि शरीर को स्वच्छ और सूखा रखकर, सूती कपड़े पहनकर, शरीर की अच्छे से देखभाल करके ज्यादातर त्वचा संबंधी बीमारियों से बचा जा सकता है। त्वचा संबंधी रोगों में उपचार से बेहतर रोकथाम है। उन्होंने बताया कि त्वचा संबंधी रोगों से मुक्त रहने के लिए लोगों को मानसून के दौरान पर्याप्त सावधानी बरतनी चाहिए।